

पांडुकंटक पुं. (तत्.) अपामार्ग, चिचड़ा।

पांडुकंबल पुं. (तत्.) एक प्रकार का सफेद रंग का पत्थर।

पांडुकंबली स्त्री. (तत्.) ऊनी कंबल से आच्छादित गाड़ी।

पांडुक पुं. (तत्.) 1. पेंडकी, पंडुक 2. पीला रंग 3. पीलिया रोग।

पांडुता स्त्री. (तत्.) 1. पांडु होने की अवस्था या भाव 2. पीलापन।

पांडुनाग पुं. (तत्.) 1. पुन्नाग वृक्ष 2. सफेद हाथी 3. सफेद साँप।

पांडुपुत्र पुं. (तत्.) राजा पांडु का पुत्र, पाँचों पांडवों में से प्रत्येक।

पांडु-पृष्ठ वि. (तत्.) 1. जिसकी पीठ सफेद हो 2. ला.अ. जिसके शरीर पर कोई शुभ लक्षण न हो 3. अकर्मण्य, निकम्मा।

पांडुफला पुं. (तत्.) परवल।

पांडुमृत्तिका स्त्री. (तत्.) 1. खड़िया, दूधिया मिट्टी 2. रामरज नामक पीली मिट्टी।

पांडुरंग पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का साग जो वैद्यक के अनुसार स्वाद में तिक्त, कृमि, श्लेष्मा तथा कफ आदि का नाशक है 2. भगवान विष्णु का एक नाम या अवतार।

पांडुर वि. (तत्.) 1. पीला, जर्द 2. सफेद, श्वेत पुं. (तत्.) 1. सफेद ज्वार 2. कबूतर 3. बगला 4. सफेद खड़िया 5. कामला रोग, सफेद कुष्ठ रोग 6. साँप, सर्प।

पांडुरक वि. (तत्.) पांडुरंग का, पीला पुं. (तत्.) 1. पीला रंग 2. पीलिया।

पांडुलिपि स्त्री. (तत्.) 1. पुस्तक, लेख आदि की हाथ की लिखी हुई वह प्रति जो छपने के लिए तैयार हो।

पांडुलेख पुं. (तत्.) 1. हाथ से लिखा हुआ वह लेख जिसमें काट-छाँट एवं संशोधन, परिवर्तन की

गुंजाइश हो 2. संशोधित किए जाने के उपरांत वह लेख जो प्रकाशित अथवा छपने के लिए तैयार हो।

पांडे पुं. (तत्.) 1. कान्यकुब्ज और सरयूपारीण ब्राह्मणों की शाखाओं का उपनाम या उपाधि 2. अध्यापक 3. भोजन बनाने वाला ब्राह्मण, रसोइया 4. पंडित, विद्वान।

पांडेय पुं. (तत्.) दे. पांडे।

पांथिक पुं. (तत्.) पथिक, राही।

पांशु स्त्री. (तत्.) 1. धूलि, राज 2. बालू 3. गोबर की खाद, पाँस 4. पित्त पापड़ा 5. एक प्रकार का कपूर 6. भू-संपत्ति, जमीन, जायदाद।

पांशुका स्त्री. (तत्.) केवड़े का पौधा।

पांशुकुली स्त्री. (तत्.) राजमार्ग।

पांशु-कुल पुं. (तत्.) 1. धूल का ढेर 2. चीथड़ों आदि को सिलकर बनाया हुआ बौद्ध भिक्षुओं के पहनने का वस्त्र 3. गूदड़ी 4. वह दस्तावेज या लेखा जो किसी विशिष्ट व्यक्ति के नाम लिखा गया हो।

पांशुकृत वि. (तत्.) 1. धूल-धुसरित, धूल से ढका हुआ 2. पीला पड़ा हुआ 3. मैला-कुचैला।

पांशु-चंदन पुं. (तत्.) शिव।

पांशु-चत्वर पुं. (तत्.) ओला।

पांशुज पुं. (तत्.) नोनी मिट्टी से निकला हुआ नमक।

पांशुर पुं. (तत्.) 1. डाँस 2. खंज 3. पंगु व्यक्ति।

पांशुल वि. (तत्.) 1. जिस पर गर्द या धूल पड़ी हो, मैला-कुचैला 2. परस्त्री गामी, व्यभिचारी पुं. (तत्.) शिव।

पांशुला स्त्री. (तत्.) 1. कुलटा अथवा व्यभिचारिणी स्त्री 2. रजस्वला स्त्री 3. जमीन, भूमि 4. केतकी।

पांसुखुर पुं. (तत्.) घोड़ों के खुरों का एक रोग।